अमृत महोत्सव स्वराज से सुराज की लोकतान्त्रिक यात्रा का उत्सव है: लोक सभा अध्यक्ष

...

अमृत महोत्स्व में सनातन भारत के गौरव की झलक भी है और आधुनिक भारत के निर्माण का संकल्प भी: लोक सभा अध्यक्ष

...

भारत सदैव अध्यात्म, शांति और मानवीय मूल्यों का केंद्र रहा है: लोक सभा अध्यक्ष

...

स्वर्णिम भारत का निर्माण तभी संभव है जब देश का हर वर्ग, हर क्षेत्र में आगे बढ़ने का सामूहिक प्रयास करे: लोक सभा अध्यक्ष

...

लोक सभा अध्यक्ष ने ब्रह्मकुमारीज द्वारा आयोजित 'आजादी के अमृत महोत्सव से स्वर्णिम भारत की ओर' कार्यक्रम को वर्चुअल माध्यम से सम्बोधित किया

नई दिल्ली, 20 जनवरी, 2022: लोक सभा अध्यक्ष श्री ओम बिरला ने आज राजस्थान के माउंट आबू में ब्रह्मकुमारी द्वारा आयोजित 'आजादी के अमृत महोत्सव से स्वर्णिम भारत की ओर' कार्यक्रम को वर्चुअल माध्यम से सम्बोधित किया। कार्यक्रम में प्रधान मंत्री श्री नरेन्द्र मोदी, राजस्थान के राज्यपाल श्री कलराज मिश्र, गुजरात के मुख्य मंत्री श्री भूपेंद्रभाई पटेल, केन्द्रीय पर्यटन और संस्कृति मंत्री श्री जी. किशन रेड्डी समेत अनेक गण्यमान्य व्यक्तियों ने भाग लिया।

कार्यक्रम के आरम्भ में आज़ादी के अमृत महोत्सव का उल्लेख करते हुए श्री बिरला ने कहा कि भारत ने अहिंसा और सत्याग्रह के मार्ग को अपनाया और इस विशाल देश को एक सूत्र में बांधते हुए व्यापक जन भागीदारी के माध्यम से स्वतंत्रता प्राप्त की। श्री बिरला ने विचार व्यक्त किया कि अमृत महोत्सव का आयोजन स्वराज से सुराज की लोकतान्त्रिक यात्रा का ही उत्सव है।

श्री बिरला ने उल्लेख किया कि 'आजादी का अमृत महोत्सव' प्रधान मंत्री जी की व्यापक संकल्पना है जिसमें पिछले 75 वर्षों की विकास यात्रा के साथ-साथ आने वाले 25 वर्षों के लिए देश के सर्वांगीण विकास की कार्ययोजना भी समाहित है। उन्होंने आगे कहा कि हमारा यह दृढ़ संकल्प है कि जब देश कि आजादी के 100 वर्ष पूरे हों, तब भारत वैश्विक पटल पर एक अग्रणी राष्ट्र के रूप में सामने आए। श्री बिरला ने ज़ोर देते हुए कहा कि अमृत महोत्स्व में सनातन भारत के गौरव की झलक भी है और आधुनिक भारत के निर्माण का संकल्प भी।

भारत की प्राचीन विरासत का उल्लेख करते हुए श्री बिरला ने स्मरण किया कि भारत सदैव अध्यात्म, शांति और मानवीय मूल्यों का केंद्र रहा है। अध्यात्म हमारी जीवन शैली है, हमारी सांस्कृतिक चेतना का एक अंग है। उन्होंने आगे कहा कि हमारे शास्त्रों ने हमें 'वसुधैव कुटुम्बकम'

का व्यापक वैश्विक दृष्टिकोण दिया है। इसी विचारधारा का अनुसरण करते हुए माननीय प्रधानमंत्री जी ने विश्व को 'वन अर्थ – वन हेल्थ' का मंत्र दिया तथा वैश्विक महामारी का सामना करने के लिए एक साझी कार्य नीति के निर्माण में अग्रणी भूमिका निभाई।

श्री बिरला ने विचार व्यक्त किया कि आजादी का अमृत महोत्सव देश की अंतर्निहित शक्तियों को राष्ट्र निर्माण के लिए काम में लाती है जिसका अंतिम लक्ष्य देश के स्वर्णिम भविष्य का निर्माण है। यह दिखाता है कि स्वर्णिम भारत का निर्माण तभी हो सकता है जब देश का हर एक वर्ग, हर एक क्षेत्र में आगे बढ़ने का सामूहिक प्रयास करे। उन्होंने आह्वाहन किया कि राष्ट्र निर्माण के इस महायज्ञ में प्रत्येक संस्था, प्रत्येक नागरिक को अपने राष्ट्रीय दायित्वों और कर्तव्यों का निर्वहन करना है।

इससे पहले, ब्रह्माकुमारी संस्था की सराहना करते हुए श्री बिरला ने कहा कि देश की समाज सेवी संस्थाएं इस राष्ट्रीय संकल्प की सिद्धि में सक्रिय और सकारात्मक भूमिका निभा रही हैं। श्री बिरला ने ब्रह्मकुमारीज द्वारा आयोजित 'आजादी के अमृत महोत्सव से स्वर्णिम भारत की ओर' अभियान से जुड़ने पर हर्ष व्यक्त किया।